

खान आयुक्त का न्यायालय, बिहार

अपील वाद संख्या-02/2026

जिला-भोजपुर

मेसर्स कार्बन इस्पात लि०

...

वादकर्ता

बनाम

समाहर्ता, भोजपुर एवं अन्य

...

प्रतिपक्ष

आदेश

27.08.2026

1. वाद की पृष्ठभूमि :-

यह अपील वाद मेसर्स कार्बन इस्पात लि० द्वारा समाहर्ता, भोजपुर के आदेश ज्ञापक-2611/खनन, दिनांक-20.12.2025 के विरुद्ध लाया गया है, जिसके माध्यम से बालूघाट-BHOJ SON-41A के लिए मेसर्स कार्बन इस्पात लि० के प्रत्यर्पण संबंधी आवेदन को खारिज किया गया है एवं जमा अग्रधन/प्रतिभूति राशि 3,78,67,500/- को जप्त किया गया है।

2. अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत तथ्य निम्न प्रकार है :-

- (i) उनके द्वारा बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियमावली, 2019 के नियम-50 के आलोक में छः माह का नोटिस दिनांक-08.04.2025 को वित्तीय संकट का उल्लेख करते हुए कारोबार छोड़ने के लिए सहायक निदेशक, भोजपुर के समक्ष आवेदन समर्पित किया गया था।
- (ii) समाहर्ता, भोजपुर के पत्रांक-1449, दिनांक-05.06.2025 से उन्हें पुनर्भरण अध्ययन कराकर प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया गया। जिसके आलोक में उनके द्वारा इस कार्य हेतु एजेंसी की सेवा ली गयी किन्तु प्रतिवेदन प्राप्त होने से पूर्व ही उनकी राशि जप्त कर ली गई। उनके द्वारा पुनर्भरण अध्ययन का प्रतिवेदन दिनांक 24.12.2025 को जिला खनन कार्यालय, भोजपुर में समर्पित किया गया है।
- (iii) अपीलकर्ता ने समाहर्ता, भोजपुर द्वारा पारित आदेश को तथ्यात्मक पहलुओं पर विचार किये बिना बताते हुए अपील स्वीकार करने का अनुरोध किया गया है।

3. खनिज विकास पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा समर्पित किया गया है कि निष्पादित एकरारनामा की अध्याय-III की कंडिका-10 (i) निविदा दस्तावेज की कंडिका-31 (i) एवं बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण निवारण) नियमावली, 2019 के नियम-50 (4) के तहत ही प्रत्यर्पण संबंधी आवेदन अस्वीकृत किया गया है एवं राशि जप्त की गयी है।

4. अपीलकर्ता को सुना एवं उपस्थापित अभिलेखों का परिशीलन किया। अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षरित एकरारनामा के अध्याय-III कंडिका-10(i) निम्नवत है:-

"It will be necessary to deposit the entire settlement amount of that related year by the Settlee before exit from the settlement period; In case of surrender of settlement, the entire security amount along with the other amount paid by the Settlee will be forfeited and at the same time the storage license (K- License) issued in favor of the settlee will also cancelled itself."

निविदा दस्तावेज की कंडिका-31(i) निम्नवत है:-

"बन्दोबस्तधारी को बन्दोबस्ती छोड़ने के पूर्व उस पंचांग वर्ष की सम्पूर्ण बन्दोबस्ती राशि जमा करनी होगी। बन्दोबस्ती प्रत्यापित करने की स्थिति में जमा सम्पूर्ण प्रतिभूति राशि के साथ-साथ भुगतान की गई अन्य राशि को जप्त कर ली जायेगी। साथ ही बन्दोबस्तधारी के रूप में निर्गत भण्डारण अनुज्ञप्ति भी स्वतः रद्द समझी जाएगी।"

5. (i) अपीलकर्ता ने अपने प्रत्यर्पण आवेदन में आर्थिक स्थिति खराब होने का उल्लेख करते हुए प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है। अपीलकर्ता को सुनवाई के दौरान बालूघाट संचालन के दौरान बेचे गये बालू की मात्रा प्रस्तुत करने का निदेश बार-बार दिये जाने के बावजूद इस संबंध में कोई विवरणी समर्पित नहीं की गयी है, जिससे वित्तीय संकट के कथन की पुष्टि हो सके।
- (ii) समाहर्ता, भोजपुर के पत्रांक-1449, दिनांक-05.06.2025 द्वारा अपीलकर्ता को बालूघाट का पुनर्भरण अध्ययन कराकर जिला खनन कार्यालय, भोजपुर में प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया गया, जिसका भी अनुपालन अपीलार्थी द्वारा समाहर्ता के आदेश पारित करने की तिथि तक नहीं किया गया।
- (iii) खनिज विकास पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा सूचित किया गया है कि वर्ष 2024-2025 में CMPDIL से सोन नदी का पुनर्भरण अध्ययन कराया गया है एवं प्रतिवेदन में पुनर्भरण का वार्षिक औसत 128.48 प्रतिशत प्रतिवेदित है।
6. अपीलकर्ता द्वारा दिनांक-08.04.2025 को बालूघाट प्रत्यर्पण का आवेदन/नोटिस समर्पित किया गया। बालूघाट प्रत्यर्पण का विकल्प बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) 2019 के नियम-50 से नियंत्रित होता है, जिसके उप नियम-4 में स्पष्ट अंकित है कि "धोखाधड़ी या खनन अथवा पर्यावरणीय शर्तों के उल्लंघन या प्रतिवेदित की गई किसी अन्य अनियमितताओं की स्थिति में, कारोबार छोड़ने का कोई विकल्प खनिज समानुदान धारक को उपलब्ध नहीं रहेगा और उनकी प्रतिभूति जप्त हो जाएगी।"

7. यह जानना आवश्यक है कि अपीलकर्ता द्वारा कोई धोखाधड़ी/उल्लंघन/अनियमितता की गयी थी कि नहीं। अपीलकर्ता को प्रथम वर्ष की बंदोबस्ती राशि के तृतीय किस्त का भुगतान पट्टा निष्पादन की तिथि 14.10.2024 से छः माह पूरा होने से पहले करना था, जो उनके द्वारा प्रत्यर्पण आवेदन समर्पित करने की तिथि तक नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त खनन साफ्ट पोर्टल पर अक्टूबर, 2024 से मासिक रिटर्न भी अपीलकर्ता द्वारा समर्पित नहीं किया गया। इस प्रकार नियम-50(4) के तहत अपीलार्थी द्वारा अनियमितता के आलोक में नियम-50(1) के तहत अपीलार्थी समानुदान छोड़ने के विकल्प के हकदार नहीं थे।

हस्ताक्षरित एकरारनामा के भाग (VII) की कंडिका-37 निम्नवत है:-

"If the lessee makes default in payments of any Installments, GST, Income Tax, Stamp Duty and Registration fees on time, the Collector shall give a thirty days notice to the lessee requiring him to pay within prescribed time limit and if not paid within such period the Collector may without prejudice to any proceeding that may be taken against lessee, determine the settlement and forfeit the whole or part of the security deposit."

एकरारनामा के भाग-VII की कंडिका-1 में भी यह प्रावधान है कि भाग-V एवं भाग-VI के तहत दिये जाने वाले rent एवं royalty किस प्रकार दिये जायेंगे। परन्तु अपीलकर्ता द्वारा द्वितीय बंदोबस्ती वर्ष के प्रथम किस्त की राशि का भुगतान मांग पत्र दिये जाने के बावजूद नहीं किया गया है।

8. उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि आवेदक का दावा नियम संगत नहीं है। अतः समाहर्ता के आदेश में बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियमावली, 2019 के नियम-50(4) के तहत की गई कार्रवाई को यथावत रखा जाता है।

लेखापित एवं संशोधित

ह0/-

(अवनीश कुमार सिंह)
सचिव-सह-खान आयुक्त,
खान एवं भूतत्व विभाग,
बिहार, पटना।

ह0/-

(अवनीश कुमार सिंह)
सचिव-सह-खान आयुक्त,
खान एवं भूतत्व विभाग,
बिहार, पटना।

ज्ञापांक :- 5645 / एम0, दिनांक:- 27/08/26

प्रतिलिपि :- समाहर्ता, भोजपुर/ खनिज विकास पदाधिकारी, जिला खनन कार्यालय, भोजपुर/ M/s Carbon Ispaat Ltd., Mukesh Kumar, S/o-Ramashish Mahton, Add-Pandit Clinic Road, Bartand, Dist.-Dhanbad, Jharkhand-826001, ई-मेल- abhishekaryan999@gmail.com /आई0 टी0 प्रबंधक, खान एवं भूतत्व विभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

JK
27/8/26
विधि पदाधिकारी